जयन्ती मंगला काली

जय माता दी जयन्ती मंगला काली माता भद्रकाली की प्रसिद्ध भेंट

जयन्ती मंगला काली

काली काली, जयन्ती मंगला काली, छलबल हरणी,
खलबल दलनी, संत भगत रशपाली ।।

संध्या और सावित्री तुम हो, जगजननी जगधात्री तुम हो।
योगमाया मधुकैटभ हननी, जननी जग रखवाली - जयन्ती० -

रक्तबीज मारे चण्डमुण्डा, पड़ा काली का नाम चामुण्डा ।
महांसुरी महाकालरात्रि, महाशक्ति बलशाली - जयन्ती०

दुःख दरिद्र पाप निवारे, मंगल करे अमंगल टारे।
सकल जगत में भ्रमण करे मां, भवभय हरने वाली - जयन्ती०

मां जैसा जग में नहीं दूजा, करता है जग मां की पूजा ।
दास 'मधुप 'गुण गा ले मां के, मिट जावे कंगाली- जयन्ती०

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34864/title/jay-mangla-kaali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |